

शक्तिनगर स्थित भारतीय खाद्य निगम के गोदाम में वर्षा में खूनी पड़ी चीनी और चावल की बोरियाँ

858. श्री तारिक बख्श: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली में 7 और 8 मार्च, 1980 को भारतीय खाद्य निगम के शक्ति नगर गोदाम में चीनी की 150 बोरियाँ और चावल की 200 बोरियाँ वर्षा में भीग गईं,

(ख) इसके लिये कौन-कौन अधिकारी अथवा कर्म चारी उत्तरदायी हैं,

(ग) भारतीय खाद्य निगम द्वारा उचित दर की दुकानों को भीगी हुई चीनी और चावल की डिलीवरी लेने के लिये बाध्य किये जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार को इस बारे में कोई शिकायत मिली है?

कृषि तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री (श्री वीरेंद्र सिंह राव): (क) यह सही है कि 7 मई, 1980 को अचानक वर्षा होने के कारण चीनी की 144 बोरियाँ गीली हो गई थीं। तथापि, इनमें चावल की कोई बोरी नहीं थी।

(ख) उचित दर के दुकानदारों को चीनी की बोरियाँ जारी की गई थी और जब वे उन बोरियों को अभी उठाने की तैयारी ही कर रहे थे, तब अचानक वर्षा होने के कारण वे बोरियाँ गीली हो गई थीं। इन परिस्थितियों में निगम के किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता था।

(ग) भारतीय खाद्य निगम द्वारा उचित दर के दुकानदारों को वर्षा से प्रभावित चीनी के बोरो को उठाने के लिए बाध्य करने का प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि बोरो पहले से ही उनके अधिकार में थे। तथापि, दिल्ली प्रशासन के हस्तक्षेप करने पर भारतीय खाद्य निगम ने विशेष मामले के रूप में यह मान लिया कि वर्षा से प्रभावित बोरो को तुरन्त नहीं दिया जाएगा लेकिन इन बोरो के स्थान पर चीनी के ठीक बोरो इस शर्त पर दिए जाएंगे कि संबंधित उचित दर के दुकान-

दार अपनी भविष्य की निर्मुक्तियों के प्रति वर्षा से प्रभावित इन बोरो को 1:10 के अनुपात के आधार पर उठाएंगे। वर्षा से प्रभावित स्टॉक की चीनी के ताल में जो कमी हुई होगी, भारतीय खाद्य निगम ने उसे विशेष मामले के रूप में पूरा करेगा।

(घ) इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार के पास कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है क्योंकि दिल्ली प्रशासन के हस्तक्षेप से यह विवाद भारतीय खाद्य निगम और उचित दर के दुकानदारों के बीच शान्तिपूर्वक तय हो गया था।

U.G.C. grants to University Libraries

859. SHRI N. K. SHEJWALKAR: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) the criteria for giving grants by U.G.C. to libraries of different Universities;

(b) the amounts of grants given to libraries of different Universities during last three years, year-wise; and

(c) what is the proposal for the current year, University-wise?

THE MINISTER OF EDUCATION HEALTH AND SOCIAL WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND):

(a) The Commission approves grants for books and journals to each university, for a plan period as a whole, on the recommendations of the Visiting Committees which assess their development proposals. Within the ceilings of grant so approved, the Commission releases funds from time to time, on the basis of the progress of expenditure.

(b) A statement is attached.

(c) The grants approved during the Fifth Plan are available to the universities for utilisation upto March 31, 1981. The Commission is still examining the question of ad hoc allocation of some basic grants to universities during 1980-81 against their Sixth Plan allocations.